भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या-1394**
उत्तर दिनांक 11/12/2025 को दिया गया

## भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते की वर्तमान स्थिति

1394. श्री संदोष कुमार पी

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) वर्ष 2008 में अंतिम रूप दिए गए भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के परिणामस्वरूप भारत को अब तक कौन-कौन से प्रमुख लाभ प्राप्त हुए हैं;

(ग) क्या भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते से देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन की मात्रा में वृद्धि हुई है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार की देश में नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की कोई योजना है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता 2008 और उसके बाद के परमाणु ऊर्जा में सहयोग के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय समझौतों ने आईएईए संरक्षोपायों के तहत आने वाले रिएक्टरों के लिए ईंधन आयात और विदेशी सहयोग के साथ नए परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों की स्थापना को सक्षम बनाया। इसके परिणामस्वरूप, वर्तमान में आईएईए संरक्षोपायों के तहत 6380 मेगावाट की क्षमता के सोलह रिएक्टरों (आरएपीएस-1, 100 मेगावाट को छोड़कर) को आयातित ईंधन द्वारा ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। विदेशी सहयोग के साथ रिएक्टरों की स्थापना के संबंध में, रूसी परिसंघ सहयोग से चार रिएक्टर, केकेएनपीपी-3 से 6 (4 x 1000 मेगावाट) निर्माणाधीन हैं और कोव्वड़ा, आंध्र प्रदेश (6 x 1208 मेगावाट) परियोजना के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका से और जैतापुर, महाराष्ट्र (6 x 1730 मेगावाट) परियोजना के लिए फ्रांस से प्रौद्योगिकी साझेदारी संबंधी व्यवहार्य परियोजना प्रस्तावों को अंतिम रूप देने हेतु चर्चाएं जारी है।

(ग) हां।

(घ) नाभिकीय विद्युत उत्पादन वर्ष 2008-09 की 14927 मिलियन यूनिट से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 56681 मिलियन यूनिट हो गया है।

(ङ) हां।

(च) वर्तमान में, 13600 मेगावाट की क्षमता के 18 रिएक्टर (भाविनि - प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर सहित) क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं जो वर्ष 2031-32 तक पूरे होने की अपेक्षा है। इसके अलावा, सरकार ने वर्ष 2047 तक 100000 मेगावाट (100 गीगावाट) की नाभिकीय विद्युत क्षमता प्राप्त करने के लिए नाभिकीय ऊर्जा मिशन की घोषणा की है, जिसके लिए एक कार्ययोजना तैयार की जा चुकी है।

*****